साक्षात्कार के प्रकार (Types of Interview)

सामान्य रूप से दो या दो से अधिक व्यक्तियों द्वारा किसी विशेष उद्देश्य से आमने सामने बैठ कर जो बातचीत की जाती है उसे साक्षात्कार कहा जाता है। साक्षात्कार में साक्षात्कार लेने वाला व्यक्ति अर्थात साक्षात्कारकर्ता (interviewer), साक्षात्कार देने वाले व्यक्ति (interviewee) से प्रश्न पूछता है जिनका उत्तर वह शाब्दिक रूप में ही देता है। साथ ही दोनों के मध्य वार्तालाप का साक्षात्कारकर्ता द्वारा एक रिकॉर्ड बनाकर तथा उसका अध्ययन कर कोई निर्णय किया जाता है।

साक्षात्कार के कई प्रकार हैं। मूलतः हम इन्हें दो भागो, उद्देश्य या कार्य के आधार पर, रचना, उत्तर दाताओं की संख्या, तथा संपर्क के आधार पर विभक्त कर सकते हैं।

साक्षात्कार विधि के प्रकार

(Types of Interview Method)

उद्देश्य के आधार पर साक्षात्कार

- ❖ निदानात्मक साक्षात्कार
- ❖ उपचारात्मक साक्षात्कार
- ❖ अनुसंधानात्मक साक्षात्कार

संरचना के आधार पर साक्षात्कार विधि

- ❖ असंरचित साक्षात्कार
- ❖ संरचित साक्षात्कार

- ❖ केंद्रित साक्षात्कार

उत्तरदाताओं की संख्या के आधार पर साक्षात्कार

- ❖ वैयक्तिक साक्षात्कार
- ❖ सामूहिक साक्षात्कार

संपर्क के स्वरूप के आधार पर

- ❖ अल्पकालीन साक्षात्कार
- ❖ दीर्घकालीन साक्षात्कार
- ❖ आवृत्तिपूर्ण साक्षात्कार

उद्देश्य के आधार पर या कार्य के आधार पर साक्षात्कार के निम्न प्रकार हैं-

निदानात्मक साक्षात्कार (Diagnostic Interview): इसमें साक्षात्कारकर्ता किसी खास रोग के संभावित कारणों का पता लगाने के लिए साक्षात्कार करता है।

उपचारात्मक साक्षात्कार (Treatment Interview): इसमें साक्षात्कारकर्ता व्यक्ति के अंदरूनी भावनाओं, प्रेरणाओं एवं संघर्षों का पता लगाने की कोशिश करता है, ताकि असामान्यता (abnormality) के कारणों का पता लगाकर उनका उपचार किया जा सके।

शोध साक्षात्कार (Research Interview): इसका उद्देश्य शोध समस्याओं के प्रस्तावित समाधान हेतु एक विस्तृत ब्यौरा तैयार करना होता है।

रचना के आधार पर साक्षात्कार को निम्न भागों में बांट सकते हैं-

असंरचित साक्षात्कार (Unstructured Interview): असंरचित साक्षात्कार में प्रश्न पूर्व निर्धारित नहीं होते हैं और न ही वह एक निश्चित क्रम में पूछे जाते हैं। अतः असंरचित साक्षात्कार में अधिक स्वाभाविक, लचीलापन का गुण पाया जाता है।

संरचित साक्षात्कार (Structured Interview): इस प्रकार के साक्षात्कार में साक्षात्कार्कर्ता पूर्व निर्धारित आकार एवं क्रम के अनुसार प्रश्न पूछता है है तथा मानकीकृत प्रविधियों के द्वारा दिए गए उत्तरों को रिकॉर्ड करता है। इस प्रकार के साक्षात्कार में दृढ़ता पाए जाते हैं और लचीलापन की कमी होती है।

केन्द्रित साक्षात्कार (Focused Interview): इसे semi- structured साक्षात्कार भी कहते हैं। इस साक्षात्कार का उद्देश्य एक विषय अथवा स्थिति के प्रति पूर्व स्थापित ज्ञान के आधार पर उत्तरदाता की प्रतिक्रियाओं का अध्ययन एवं विश्लेषण करना होता है। इसके द्वारा पूर्वरचित परिकल्पनाओं का परीक्षण किया जाता है। इसमें साक्षात्कारकर्ता एवं उत्तर दाता की अंतःक्रिया एक विशेष प्रसंग तक ही सीमित एवं केंद्रित रहती है।

उत्तरदाताओं की संख्या के आधार पर साक्षात्कार को निम्न भागों में बांट सकते हैं-

वैयक्तिक साक्षात्कार(Individual Interview): इसके अंतर्गत साक्षात्कारकर्ता अध्ययन से संबंधित प्रत्येक व्यक्ति का साक्षात्कार एक-एक करके लेते हैं और उनसे क्रमबद्ध आधार पर एक-एक प्रश्न का उत्तर प्राप्त करते हैं। इसमें साक्षात्कारकर्ता प्रत्येक उत्तरदाता से

व्यक्तिगत रूप से व्यक्तिगत जानकारी प्राप्त करते है। इसी कारण इसे व्यक्तिगत साक्षात्कार कहते हैं।

सामूहिक साक्षात्कार (Group Interview): ऐसे साक्षात्कार के संचालन के लिए समय एवं स्थान पूर्व निर्धारित होते हैं तथा इसमें अनेक व्यक्तियों से साक्षात्कारकर्ता द्वारा एक ही समय में अपने अलग-अलग प्रश्नों का उत्तर जानने का प्रयास किया जाता है।इसमें प्रत्येक व्यक्ति को अलग-अलग समय नहीं देना पड़ता है और प्रत्येक से अलग-अलग मैत्रिक भावना की स्थापना की भी आवश्यकता नहीं पड़ती है। इस विधि द्वारा अध्ययन का स्वरूप विस्तृत होता है परंतु गहन नहीं होता है और विश्वसनीयता का स्तर भी उच्च श्रेणी का नहीं हो पाता है।

संपर्क के स्वरूप के आधार पर साक्षात्कार को निम्न भागों में बांट सकते हैं-

अल्पकालीन साक्षात्कार (Short-contact Interview): इस प्रकार का साक्षात्कार प्रायः अवसर के अनुसार किसी एक मुख्य अध्ययन की पूर्व स्थिति में किया जाता है। ऐसे साक्षात्कार का स्वरूप नियमित एवं नियंत्रित नहीं होता है बल्कि इससे मुख्य समस्या के प्रति कुछ संयोगि्क (casual) तथा अन्वेषणात्मक (exploratory) जानकारी प्राप्त करने का ही प्रयास किया जाता है। स्पष्टतः ऐसे साक्षात्कार से वैज्ञानिक स्तर के आंकड़े उपलब्ध नहीं होते हैं परंतु कभी-कभी इससे संबंधित समस्या के विषय में अत्यंत महत्वपूर्ण आंकड़े उपलब्ध हो जाते हैं। इस प्रकार के साक्षात्कार प्रायः रेलवे स्टेशन, जलपान गृह, पार्क, बस स्टैंड, सिनेमा आदि के अवसरों पर होते हैं और स्पष्टतः इनमें उत्तरदाता से संपर्क का समय भी अल्प ही रहता है।

दीर्घकालीन साक्षात्कार (Long contact Interview): ऐसे साक्षात्कार का स्वरूप गंभीर एवं गहन होता है। इससे संबंधित समस्या के विभिन्न पहलुओं के सूक्ष्म अध्ययन के लिए साक्षात्कार लंबे समय तक चलता रहता है। इसमें साक्षात्कार्कर्ता तथा उत्तरदाता को प्रश्न करने तथा उत्तर देने में पर्याप्त स्वतंत्रता रहती है। वास्तव में गहन, नैदानिक तथा और अनिर्देशित साक्षात्कारों का स्वरूप एक प्रकार से दीर्घकालीन ही होता है।

उपरोक्त में वर्णित साक्षात्कार के विभिन्न प्रकारों के अपने कुछ खास गुण- अवगुण या सीमाएं हैं। अध्ययनकर्ता अपने अध्ययन या समस्या के विषय-वस्तु के अनुरूप उपयुक्त साक्षात्कार विधि का चुनाव कर सकता है।